

MĀLAV. 8, 18. PAÑKĀT. 32, 11. 91, 15. KATHĀS. 10, 163. BHĀG. P. 3, 9, 5. DHĀRTAS. 83, 2.

वद् (वत् + भू) *du werden*: अत्रे वद्वति PAT. zu P. 1, 4, 108.

वद्य, वद्यति *denom. von वत् P. 7, 2, 98, Sch.*

वद्योनि (वत् + योनि) *adj. aus dir stammend*: विश् आ रोक् वद्योनिपो यः AV. 13, 1, 2.

वद्विक् (von वत्) *adv. auf dich zu, zu dir hin*: इमे यामोसास्वद्विग्भू- वन् RV. 5, 3, 12. — Vgl. मद्रिक्, मद्यद्रिक्.

वद्विध (वत् + विधा) *adj. dir ähnlich, deinesgleichen* MBh. 3, 11049 (S. 571). R. 2, 23, 7. 3, 2, 27. 51, 26.

वन्मय (von वत्) *adj. aus dir hervorgegangen, aus dir bestehend, dich enthaltend*: वन्मयं सर्वलोकानां रसं रसविदो विदुः HARIV. 2585. 3037. 11980.

वयत (1. व + यत् von यम्) *adj. so v. a. वया दत्त nach SĪJ.*: स न इन्द्र वयताया इषे धाः RV. 7, 20, 10.

वर, वरते *eilen* Dhātup. 19, 13. तवरे; (मा) वरिष्ठाः Siddh. K. zu P. 1, 3, 21. अवरिधम्, ङ्ङम्, ङ्ङम् Vop. 8, 124. Episch auch act.; partic. वरि- त und तूर्ण P. 7, 2, 28. 6, 4, 20. 21. Vop. 26, 113. निप्र एव यावया वरेत ÇAT. Br. 1, 7, 2, 17. 9, 3, 1, 22. 13, 3, 3, 5. आपस्वरमाणा न क्षीयते KĀTH. 28, 1. ÇĀKṢ. Çr. 16, 7, 7. MBh. 3, 2824. Hip. 4, 47. ÇĀK. 57, 2. गच्छा- वः सक्तितौ तत्र ममापि वरते मनः R. 3, 78, 20. यस्य वा वरते बु- द्धिर्मरणाय MBh. 2, 1559. वरामहे वयं द्रष्टुम् R. 3, 12, 6. नानुनेतुमबलाः स तवरे RAĞH. 19, 38. RĪGĀ-TAR. 3, 328. वरमाणेव — जगाम MBh. 1, 5940. 3, 1868. प्रकृतितुं खगमांस्वरमाणोपचक्रमे N. 1, 23. 20. 2. न जलं देयं सर्वया वरमाणया *nicht sollst du ihm eilend d. i. sogleich, ohne Weiteres Was- ser geben* 23, 3. 26, 3. R. 2, 3, 7. 62, 11. 68, 7. BHĀG. P. 4, 19, 12. हेमको- टिसमर्षणी। वरमाणम् KATHĀS. 4, 109. act.: अन्नानां निचयं सर्वं सञ्च श- बले वर R. 1, 52, 24. भर्तृन्वेषणे वर MBh. 3, 1665. 1. द्रष्टुं हि पाण्डुपुत्रां- श्च वरति कुरवो भृशम् 1, 7539. 12, 6365. तं देशमाजगाम पुनस्वरन् R. 1, 9, 52. गेमतीम् — अत्रत्स वरन्निव R. GORR. 2, 46, 11. MĀRK. P. 16, 11. 24, 37. BHĀG. P. 2, 2, 28. MBh. 12, 5001. 5004. अवरत्सम् — पाशानां क्खेने 5002. वरित *eilend, schnell, geschwind, schnell bei der Hand* P. 3, 2, 187. AK. 2, 8, 2, 41. H. 494. an. 3, 265. MED. I. 113. विवेश वरिता MBh. 1, 6120. 3, 2192. 2736. 2942. R. 1, 67, 24. दिवसाः — वरिता व्यतिपात्ति नः 3, 22, 10. BHĀG. P. 7, 8, 2. धर्मस्य वरिता गतिः PAÑKĀT. III, 102. 243, 10. षट्पगति VarĪH. BHU. S. 93, 13. वरितं वरणीयेषु *schnell bei der Hand wo es Eile gilt* MBh. 7, 5342. वरितो गमने *eilend fortzukommen, dem es darum zu thun ist schnell fortzukommen* 3, 2833. वरितो द्रष्टुम् R. 3, 78, 19. वरितम् *adv. eilends, schnell* AK. 1, 1, 1, 60. H. 1470. MBh. in BENF. Chr. 23, 38. R. 1, 42, 23. 43, 7. ÇĀK. 31, 9. वरितोदित AK. 1, 1, 3, 20. वरिततरम् PRAB. 99, 1. वरित n. *Eile* H. an. MED. सवरितम् *adv. eilends, schnell* R. GORR. 2, 97, 14. तूर्ण KĀTH. Çr. 10, 1, 9. तूर्णम् *adv.* AK. 1, 1, 1, 60. H. 1470. KĀTH. Çr. 8, 1, 2. 25, 10, 20. प्राचनो. 3, 3. NIR. 3, 16. Hip. 1, 2, 2. 14, 4, 18. N. 20, 17. R. 1, 9, 20. 23, 40. 43, 10. 2, 59, 33. BHARTY. 1, 39. RĪT. 1, 24. PAÑKĀT. 167, 16. BHĀG. P. 4, 8, 52. 6, 13, 14. तूर्णतरम् R. 3, 28, 42. तूर्तं ÇAT. Br. 6, 3, 2, 2 hierher oder zu तुर, welches in der älteren Sprache allein im Gebrauch ist.

— *caus. वरयति; अतवरत् P. 7, 4, 95. Vop. 18, 2. zur Eile antreiben*: III. Theil.

वर्यतो रूपद्विपान् MBh. 7, 1584. द्रुता हि वरयति माम् R. 1, 69, 5. 2, 64, 63. 76, 12. 3, 12, 5. 4, 37, 30. 38, 3. MBh. 1, 5301. 6, 185. MĀCH. 97. MĀLAV. 21. त्वर्यमाण MBh. 3, 2782. R. 2, 72, 10. त्वर्यस्व महाराजम् — य- था रामो राज्यमवाप्नुयात् 14, 40. तौ — वरयामासुः पितुः प्रति जलक्रियाम् R. GORR. 2, 84, 24 (SCHL. 77, 26: वरयति स्म तनयो चापराः क्रियाः ohne प्रति). 89, 6. प्रसाधनाय वरयति MALLIN. zu KUMĀRAS. 1, 4. अतवरच्च ता- न्योद्भुम् BHATT. 13, 60. रथं मे वर्यस्व R. 2, 82, 26. तदनुञ्चलनं मदीपितं व- रयेदन्तिपावतवीजैः KUMĀRAS. 4, 36.

— *अति sehr eilen*: किं सौम्य नातिवरसे (so zu lesen, wie schon BEN- FEBY bemerkt hat) MBh. 12, 5003. यावच्च न वनं यातः पुरादस्मार्तिवरन् R. 2, 19, 16. सीतां द्रष्टुमतिवरन् 3, 61, 2. 4, 15, 18.

— *अभि eilen*: स्वयमेव गमिष्यामि रणशीर्षमभिवरन् R. 6, 33, 4. MBh. 7, 5347. नित्याभिवरितानेव वरयामास पाण्डवान् 1407.

— *परि herbeieilen*: परिवरमाण आयातु मित्रः KAUC. 53.

— *प्र eilen*: प्रतवरे भीष्मवधाय MBh. 6, 3776. partic. प्रतूर्तं ved. P. 8. 2, 61. प्रतूर्णं klass. Sch. यद्वै तिप्रात्क्षेपीयस्तत्प्रतूर्तम् ÇAT. Br. 6, 3, 2, 2.

— *सम् dass.*: संवरस्व च माचिरम् R. 2, 30, 43. संवरमाण ÇAT. Br. 3, 4, 1, 6. R. 3, 64, 2. संवरित *eilend* MBh. 5, 5700. 6, 2017. R. 2, 46, 26. 84, 1. 97, 12. संवरितम् *adv.* 68, 11. — *caus. eilen heissen, zur Eile antreiben*: बलं संवरयामास R. 6, 29, 6. बलं संवर्यताम् 73, 22. अश्वान् — संवरयन् MBh. 7, 955. त्वं प्रापयाशु मां रामं प्राणाः संवरयति माम् so v. a. *mir bleibt nicht viel Zeit zum Leben übrig* R. 2, 59, 23. R. GORR. 2, 66, 57. जीवितं त्यक्तुमिच्छामि प्राणाः संवरयति माम् 4, 21, 24. MBh. 12, 1869.

वरण (von वर) 1) *adj. oxyt. f. आ eilend*: आस्त्रेयीश्च वास्त्रेयीश्च वर- णाः कृपणाश्च या (घ्रापः) AV. 11, 8, 28. dem Sinne nach: *durch Eile oder Anstrengung, vom Schweiss entstanden*. — 2) n. *das Eilen* ÇKDR. WILS.

वरणीय (von वर oder वरण 2.) *adj. wobei mit Eile zu Werke zu gehen ist*: वरितं वरणेषु MBh. 7, 5342.

वरा (von वर) f. *Eile, Hast* Vop. 26, 192. AK. 3, 3, 26. H. 322. वर- यारोह R. 2, 46, 27. वर्या — तमन्वरीषमुवाच 1, 62, 21. आश्रुकारी हि पवनस्तस्मात् वर्या जयेत् सुÇR. 2, 438, 20. ÇĀK. 78, 1. वर्यान्वितः *eilend* R. 3, 48, 11. वर्यान्वित 1, 61, 22. 3, 42, 39. N. 19, 19. वर्यायुक्तं BRAHMA-P. 86, 17. मा भूते मद्धिवाक्कृते वरा KATHĀS. 24, 201. का वरा मरणे पुनः MBh. 3, 16119. R. 4, 15, 21. वरां कुरु। आहारस्य *bereite schnell das Es- sen* KATHĀS. 20, 199. गमनवरया *weil er eilte zu gehen* R. 2, 70, 24. यदि मृत्युवरा तव *wenn du schnell sterben willst* 4, 9, 55. स्वकार्यवरया *wegen des Dranges der Geschäfte* 3, 78, 19. यथा निदेशं कर्तुं ते वरा मे 2, 34, 44. कृतवर *Eile an den Tag legend, eilend* 4, 38, 28. 6, 5, 20. 31, 21. KĀM. NĪTIS. 8, 63. अवरा *Bedächtigkeit* M. 3, 235. अवर *adj. bedächtty* JĀG. 1, 239. वरा = आविष्टः (?) SVĀMIN zu AK. ÇKDR. — Vgl. सवर.

वरायण n. dieses und वरायण als v. l. von परायण AK. 3, 3, 2.

वरायस्य्. वरायस्यति *eilen* GAṆAN. zu gaṇa कण्डादि zu P. 3, 1, 27.

वरारोह (वरा + आरोह) m. *Taube (eilends sich auf Etwas setzend)* NIGH. PA.

वरावन् (von वरा) *adj. eilend, mit Eile zu Werke gehend*: वरावान- च यावाहम् MBh. 4, 1174. वरावान्भव माचिरम् 3, 16207. 16, 127. R. 1, 9, 25. R. GORR. 1, 73, 6. भर्तृकार्यं वरावताम् 4, 51, 41.

वरि (von वर) f. *Eile, Hast* H. 322.